सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 189 | जौनपुर, बुधवार, 26 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

यूपी में 10 करोड़ लोगों को दिया जा रहा आयुष्मान और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न का जवाब देते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताया। सीएम ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के किसी भी गरीब के लिए उपचार कराना कठिन नहीं रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में 10 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये का निरूशुल्क स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। वहीं, सरकारी कर्मचारियों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलैस स्वास्थ्य योजना के तहत निरूशुल्क स्वास्थ्य की सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पिछले आठ वर्षों में हर जरूरतमंद को इलाज के लिए बिना किसी भेदभाव के धनराशि उपलब्ध करायी गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में केवल पार्टी से जुड़े लोगों को ही इलाज के लिए पैसा दिया जाता था। उस दौरान हर कार्य को समाजवादी नाम दिया जाता था जबकि पैसा सरकारी होता था। यही हाल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के पैसा का भी हो गया था, लेकिन अब समाजवादी सरकार नहीं है। आज हमारी सरकार संवेदनशील तरीके से बिना किसी भेदभाव के प्रदेशवासियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। वहीं, सरकार इलाज के दौरान अतिरिक्त धनराशि की मांग को भी पूरा कर रही है क्योंकि कोई भी मानव क्षति परिवार के साथ समाज और प्रदेश की भी क्षति होती है। हम इस भाव के साथ काम कर रहे हैं। प्रदेश में आजादी के बाद से वर्ष 2017 तक केवल 17 मेडिकल कॉलेज सरकारी क्षेत्र में थे जबकि आज हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज के निर्माण की कार्रवाई तेजी से चल रही है। इन मेडिकल कॉलेजों में अच्छे प्रोफेसर लगातार तैनात किये जा रहे हैं। इसके लिए जिलाधिकारियों को अपने स्तर से भी अच्छे डॉक्टर्स को जिला अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी में तैनात करने के निर्देश दिये गये हैं। मेडिकल कॉलेज में अच्छी फैकल्टी और सुपर स्पेशलिटी के ब्लॉक बनाने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। इसके अलावा हर रविवार को हर पीएचसी स्तर पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आज प्रदेश के हर जिले में निरूशुल्क डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है। सीएम ने कहा कि हर जिले में ब्लड बैंक के जरिये जांच की सुविधा हर प्रदेशवासियों को उपलब्ध करायी जा रही है। मेडिकल कॉलेज के साथ पैरामेडिकल और नर्सिंग की पढ़ाई के लिए लगातार काम किया जा रहा है। सरकार ने एसजीपीजीआई में नये आठ विभाग का गठन किया है, ।

एलजी के अभिभाषण के बीच सदन में जोरदार हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में उपराज्यपाल वीके सक्सेना अभिभाषण के दौरान आम आदमी पार्टी के विधायकों ने जमकर हंगामा किया। अभिभाषण शुरू होते ही आम आदमी पार्टी के विधायकों ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालय से भीमराव आंबेडकर की फोटो हटाने का विरोध करना शुरू कर दिया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों को पूरे दिन के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री और विधायक आतिशी को बाहर निकाला गया। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण में हंगामे से बाधा पड़ गई। एलजी ने सदन में कहा कि राजस्व बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। यमुना की सफाई और वायु प्रदूषण के लिए लघु मध्यम और दीर्घकालिक योजना लागू करेगी। दिल्ली को सबसे स्वच्छ शहर और स्वच्छता रैंकिंग में प्रथम लाने का प्रयास किया जाएगा। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र श्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, सबका सम्मानश मेरी सरकार की दिशा तय करेगी, मेरी सरकार लोगों की बढ़ती उम्मीदों और आकांक्षाओं के प्रति पूरी तरह सचेत है..मेरी सरकार इन 10 क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देगी– भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, महिला सशक्तिकरण, गरीबों का कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, अच्छा शिक्षा मॉडल, विश्व स्तरीय सड़कें, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त दिल्ली, स्वच्छ यमुना, स्वच्छ जल और अनधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण। उपराज्यपाल ने अभिभाषण में भाजपा सरकार की भावी योजना का उल्लेख किया ।

संक्षिप्त समाचार

समाजवादी पार्टी नेता अब्दुल्लाह आजम खान 16 महीने बाद हरदोई जेल से रिहा

हरदोई,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिला कारागार से मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान के पुत्र एवं पूर्व विधायक अब्दुल्लाह आजम खान को रिहा कर दिया गया। अब्दुल्लाह आजम पिछले 16 महीने से अधिक से हरदोई जिला कारागार में फर्जी जन्मतिथि प्रमाणपत्र मामले में बंद थे। रामपुर से यहां पर जमानत का परवाना जिला कारागार पहुंचा जिसके बाद सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण की गई और फिर अब्दुल्ला आजम को रिहा कर दिया गया। अब्दुल्लाह आजम की रिहाई से पार्टी कार्यकर्ता काफी खुश दिखाई दिए। इस मौके पर मुरादाबाद में सपा सांसद रुचि भी पहुंची। दर्जनों गाड़ियों के काफिले के साथ अब्दुल्ला आजम यहां से रवाना हुए। अब्दुल्लाह आजम के समर्थकों ने उनसे मिलने की कोशिश की तो अब्दुल्लाह आजम ने भी उनका अभिवादन किया, इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के सामने दिया धरना

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर टिप्पणी को लेकर सदन में हंगामा के बाद उत्पन्न गतिरोध जारी हैं और कांग्रेस विधायकों ने इस टिप्पणी एवं छह कांग्रेस विधायकों के निलंबन के विरोध में मंगलवार को विधानसभा के बाहर धरना शुरु कर दिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा गेट के बाहर धरना शुरू किया और इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जूली सहित कई विधायक एवं पार्टी नेता शामिल हुए। इससे पहले कांग्रेस के निलंबित विधायक विधानसभा में जाने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए। धरने पर कांग्रेस विधायकों एवं नेताओं द्वारा नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया जा रहा है । और इंदिरा गांधी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री माफी मांगने एवं निलंबित कांग्रेस विधायकों को बहाल करने की मांग कर रहे हैं।

जेपी नड्डा से मिले नीतीश कुमार, विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा

बिहार, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को पटना के राजकीय अतिथिशाला में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बिहार में एनडीए की भविष्य की रणनीति पर चर्चा की क्योंकि राज्य में इस साल चुनाव होने हैं। कुमार राज्य अतिथि गृह पहुंचे, जहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री शहर पहुंचने के बाद ठहरे थे। बैठक के दौरान राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी भी बैठक में मौजूद रहे। नड्डा सोमवार को राज्य के दो दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे। शाम को वह गया एयरपोर्ट पहुंचे, जहां बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। हालांकि उन्होंने कोई सवाल नहीं उठाया लेकिन प्रदेश भाजपा नेताओं ने कहा कि वह निजी यात्रा पर गया में थे। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण का प्रभार संभाल रहे नड्डा पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक समारोह में भी शामिल हो सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि पटना के बापू सभागार में होने वाले कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अलावा दुनिया भर से बड़ी संख्या में डॉक्टर भी शामिल होंगे। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विपक्षी राजद–कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनसे पहले सत्ता में रहे लोगों ने ''मुसलमानों के वोट तो मांगे'' लेकिन वे सांप्रदायिक झड़पों को रोकने में विफल रहे।

सांस्कृतिक संचार का सबसे बड़ा उत्सव है कुंभ - प्रो.संजय द्विवेदी

भोपाल, (एजेंसी)। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रोसंजय द्विवेदी का कहना है कि कुंभ सांस्कृतिक संचार, राष्ट्र की एकता और समाज के सनातनबोध का सबसे बड़ा उत्सव है। यह भारतबोध कराने का अनुष्ठान है। वे बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में श्महाकुंभ में विज्ञान, अध्यात्म और परंपराश विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय, प्रो. आर.के. सैनी, डा. गौरी खानविलकर, प्रो. मुन्ना तिवारी और डा. प्रकाश चंद्रा ने भी संबोधित किया। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक कुंभ का संदेश सदियों से बिना विकृत हुए यथारूप पहुंचता

था। आज संचार साधनों की बहुलता में संदेश का उसी रूप में पहुंचना कठिन होता है। या तो संदेश की पहुंच में समस्या होती है, या उसके अर्थ बदल जाते हैं और उनकी पवित्रता नष्ट हो जाती है। किंतु प्राचीन समय की संवाद और संचार व्यवस्था इतनी ताकतवर थी कि समाज के सामने कुंभ के संदेश और वहां मिला पाथेय यथारूप पहुंचता था। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि कुंभ हमारे सांस्कृतिक राष्ट्र की समाज व्यवस्था का एक अनिवार्य अंग हैं, जिसके माध्यम से राष्ट्र अपने संकटों के समाधान खोजता रहा है। इन्हीं रास्तों से गुजरकर हम यहां तक पहुंचे हैं। ऋषि परंपरा के उत्तराधिकारी होने के नाते हर संकट में उनका पाथेय ही हमारा संबल बना है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीशचंद्र त्रिपाठी ने कहा की भौतिक कल्याण के साथ ही आध्यात्मिक कल्याण भी जरूरी है। भारत केवल भूखंड नहीं है बल्कि वह दर्शन, दृष्टि, विचार का सामंजस्य है। जिसमें ज्ञान और विज्ञान दोनों के ही मूल्य प्रतिष्ठित हैं। विज्ञान, अध्यात्म परंपरा अलग–अलग नहीं है देशानुकूल और युगानुकूल उनकी व्याख्या होती रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे है बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डा. मुकेश पाण्डेय ने श्समृद्धिप्रद महाकुंभश विषय पर कहा कि महाकुंभ महज स्नान नहीं, यह सनातन विचारों का महापर्व है। हजारों वर्षों के ज्ञात इतिहास में महाकुंभ ने सनातन धर्म के माध्यम से पूरी दुनिया को शांति, सद्भाव और एकजुटता का संदेश दिया है।

नकारात्मकता चरम पर हो तो गरिमा का खय्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों में प्रकट होती है - अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का खय्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। सपा प्रमुख यादव ने सोमवार की रात अपने आधिकारिक एक्ख्स खाते पर एक पोस्ट में कहा ...लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया–पाया के रजिस्टर में।

इसी पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। यादव ने आगे कहा अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का खय्याल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। '' सपा प्रमुख ने कहा कि 'महाकुंभ' जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुँची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की। श्सन्मति दे भगवान! सोमवार को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्ध्यवाद प्रस्ष्ताव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, ''कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला। गिद्धों

आप की शराब नीति से दिल्ली को हुआ 2,002 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की एक रिपोर्ट से पता चला है कि दिल्ली में पूर्व आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अब समाप्त की गई शराब नीति के कार्यान्वयन से कुल मिलाकर 2,002 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट आज दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा पेश की गई क्योंकि आप विधायकों ने इसकी प्रस्तुति का विरोध किया, जिसके कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया। शराब नीति घोटाला, जिसके निर्माण में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं शामिल थीं, के कारण पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल, उनके पूर्व डिप्टी मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन सहित आप के शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी हुई। दिल्ली में मौजूदा भाजपा सरकार ने घोषणा की है कि वह चल रहे विधानसभा सत्र के दौरान सभी 14 लंबित सीएजी रिपोर्टों को पेश करेगी। इस बीच, शराब नीति पर सीएजी की रिपोर्ट, जिसमें 2017–18 से 2020–21 तक चार साल की अवधि शामिल थी, ने यह भी खुलासा किया कि दिल्ली सरकार को आत्मसमर्पण किए गए लाइसेंसों को फिर से निविदा देने में विफलता के कारण लगभग 890 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ, जबकि कार्रवाई में देरी के कारण जोनल लाइसेंसधारियों को दी गई छूट के कारण 941 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सबसे विवादास्पद निष्कर्षों में से एक कोविड–19 प्रतिबंधों का हवाला देते हुए 28 दिसंबर, 2021 और 27

जनवरी, 2022 के बीच की अवधि के लिए लाइसेंसधारियों को दी गई 144 करोड़ रुपये की छूट थी।

कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है सबका साथ, सबका विकास का नारा – खरगे

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों की छात्रवृत्ति के लाभार्थियों की संख्या में कथित गिरावट को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि सबका साथ, सबका विकास का नारा कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक चार्ट साझा किया जिसमें उल्लेख है कि एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक बच्चों के लिए छात्रवृत्ति के लाभार्थियों में भारी गिरावट आई है। खरगे ने 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी जी, देश के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि ये शर्मनाक सरकारी आँकड़े बताते हैं कि सभी वजीफों में मोदी सरकार ने लाभार्थियों की संख्या में भारी कटौती तो की है, साथ ही औसतन साल–दर–साल 25 प्रतिशत फंड भी कम खर्च किया है। खरगे ने सवाल किया कि जब तक देश के कमजोर वर्ग के छात्रों को अवसर नहीं मिलेगा, उनके हुनर को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तब तक हम अपने देश के युवाओं के लिए नौकरियां कैसे बढ़ा पाएंगे? उन्होंने आरोप लगाया, आपका 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा, रोजाना कमजोर वर्गों के अरमानों का मजाक उड़ाता है।

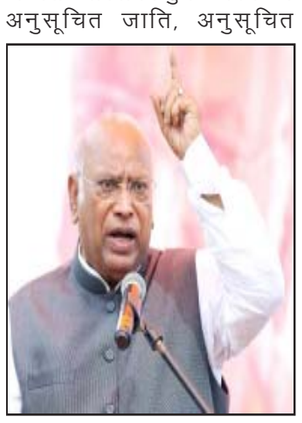

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शराब नीति पर कैग की रिपोर्ट प्रस्तुत की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नई आबकारी नीति मामले के संबंध में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट विधानसभा में प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा दिल्ली में शराब के विनियमन एवं आपूर्ति पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन वर्ष 2024 का प्रतिवेदन संख्या 1 की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करती हूं। मुख्यमंत्री की तरफ से कैग की रिपोर्ट विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने के बाद विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने इसकी प्रतियां सदन के अन्य सदस्यों को वितरित करने का निर्देश दिया।

इसके बाद विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मैं आपको भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट को सदन में प्रस्तुत करने से अवगत कराना चाहता हूं। सदन में सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए इसे उजागर करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब यह रिपोर्ट सदन में विचाराधीन है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सदन के कई सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं। इस पृष्ठभूमि से अवगत होने के बाद उन्हें इसमें रचनात्मक रूप से भाग लेने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि सीएजी एक संवैधानिक संस्था है। यह संस्था जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा देती है। इसे संवैधानिक प्रहरी भी कहा जाता है। इसकी कार्यप्रणाली को सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान की मूल संरचना कहा है। सीएजी जनता, विधायिका और कार्यपालिका को यह स्वतंत्र और विश्वसनीय आश्वासन देती है कि एकत्रित सार्वजनिक धन का प्रभावी ढंग से कुशलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक आश्चर्यजनक तथ्य है कि वर्ष 2017 और 2018 के बाद सीएजी की रिपोर्ट को सदन में प्रस्तुत नहीं किया गया। इस संबंध में विपक्ष के तत्कालीन नेता के नेतृत्व में तत्कालीन विधायकों ने सीएजी की रिपोर्ट को सदन में प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति, तत्कालीन मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से अनुरोध किया था कि राज्य की वित्तीय हालत के बारे में जानकारी प्राप्त करना जरूरी है।

संपादकीय

कला की कसक

कला के संरक्षण के लिये नीति–नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश–दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए। यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। दीवार को ध्वस्त करने पर बचाव के लिये दिए जाने वाले तर्क तर्कशीलता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वास्तव में इस दीवार को तोड़ने के लिये दी जा रही दलीलों की तार्किकता कई स्तरों पर त्रुटिपूर्ण ही है। सबसे पहले, उच्च न्यायालय परिसर के आसपास यातायात की जो भीड़ उत्पन्न होती है, वह खराब प्रबंधन की देन है। इसमें रॉक गार्डन की संरचना की उपस्थिति की कोई भूमिका नहीं है। सही मायनों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन और शटल सेवाओं जैसे टिकाऊ विकल्पों की अनदेखी की गई है।

उनकी भी सोचें जिनसे किसी ने हमदर्दी नहीं जतायी

गुरबचन

पंजाबकृ पांच दरियाओं की धरती,यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो–सिख युद्ध यहीं लड़े गए दृ पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही हैं, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो। हम शुरुआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व , गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवतः इतिहास का विशालतम जबरन पलायन। यह बड़ी उथल–पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशतः यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्व युद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है। यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे–धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि–शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक–प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंततरू सफल हुई। अकाली सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही। विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे दृ जलंधार (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरुआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब 'लघु आब' कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब 'पंज–आब' कहलवाने लायक नहीं रहा। अधिकांश विकास सूंचकाकों में ये तीनों राज्य फिसड्डियों में आते हैं। लोकतंत्र में वोट संख्या का महत्व होता है, जाहिर है संसद में 80 सीटों वाले राज्य की आवाज और उपस्थिति 10 या 13 सीटों वाले राज्य की तुलना में कहीं ज्यादा है। धीरे–धीरे युवाओं का कट्टरपंथीकरण होता गया और धर्म के नाम पर हिंसक आंदोलन के नये नारे देने वाला उग्रवादी नेतृत्व उभरा। इसके पीछे कई किस्म के नेताओं के हाथ–दिमाग थे, हालात बनते गए और हिंसा बढ़ती गई, उधर शासन की शक्ति बढ़ती गई। यह सब ऑपरेशन ब्लू स्टार त्रासदी और इंदिरा गांधी की हत्या का कारण बना, जिसके बाद भारत भर में सिखों का कत्लेआम हुआ व समय रहते उस पर अंकुश नहीं लगाया। अगला दशक व्यर्थ गया, जिसमें रोजाना बेगुनाहों की हत्याएं होती रहीं। हमारे उत्तर–पश्चिमी पड़ोसी ने स्थिति का जमकर फायदा उठाया, चरमपंथ और आतंकवादी आंदोलन की आड़ में छद्म युद्ध चला दिया। पंजाब को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। पाकिस्तान 1948, 1965 और 1971 में बड़ी लड़ाइयां हार चुका था,वह बदला लेने की ताक में था और यह मौका हमने तश्तरी में रखकर दे दिया (1965 में भी पंजाब ने ही युद्ध का खमियाजा भुगता, क्योंकि ज्यादातर लड़ाई यहीं तक सीमित रही)। पंजाब में हालात फिर कभी पहले जैसे नहीं रहे और चुनाव होने तक, लगभग एक दशक राष्ट्रपति शासन रहा। जनता की मांग के बावजूद, पंजाब के लिए कोई वित्तीय पैकेज या विशेष विकास कार्यक्रम नहीं दिया गया, ताकि बेगुनाह लोगों के दशकों झेले आघातों की भरपाई हो पाती। सनद रहे कि दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वी तटों वाले प्रायद्वीप के विपरीत, पंजाब गैर–समुद्र तटीय राज्य है, व्यापार की एकमात्र राह उत्तर–पश्चिम और मध्य एशिया की तरफ खुलती है। किंतु यह रास्ता भी बंद हो गया और खोलने की अपीलें अनसुनी रहीं। इस घटनाक्रम ने 1980 के दशक में पलायन की दूसरी और ज्यादा बड़ी लहर को जन्म दिया। राहत और रोजगार पाने की आस में पश्चिमी देशों का रुख किया। फिलहाल, तीसरी लहर जारी है क्योंकि युवा शिक्षा और रोजगार के लिए बेहतर मुल्कों में भविष्य देख रहे हैं। मैं इसे तीसरी लहर कहता हूं क्योंकि इसमें अब वे युवा शामिल हैं जिन्हें विरासत में कर्ज में डूबा राज्य मिला (पंजाब पर लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का ऋण है) और उसके पास अवसर या उन्हें बनाने वाली शिक्षा नदारद है। इंटरनेट जागरूकता लाया, और आगे आकांक्षा को जगाया है। युवा पश्चिमी दुनिया का जीवन और सुख पाना चाहते हैं। उन्हें यहां यह सब नहीं मिलता और न ही इसे बनाने के साधन और माहौल हैं। पंजाब से लोग वैध–अवैध पलायन कर रहे हैं। राजनेता, पुलिस और ट्रैवल एजेंटों का गठजोड़ खुलेआम चल रहा है।

खतरे में है कश्मीर की नैसर्गिक अस्मिता

पंकज

बीते कुछ सालों में कश्मीर घाटी के मौसम में बदलाव यहां के नैसर्गिक पर्यावरण के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। आमतौर पर 21 दिसंबर से 29 जनवरी तक कश्मीर घाटी में चिलई कलां के दौरान तापमान शून्य से नीचे और भारी बर्फबारी होती है। मौसम विज्ञानियों ने भविष्यवाणी की थी कि 2024–2025 में ला नीना प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में अच्छी बरसात होगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। न बर्फ गिरी और न ही बरसात। मौसम विभाग ने पहले ही कश्मीर घाटी में जनवरी के महीने में 81 प्रतिशत कम बारिश होने के चलते अलर्ट जारी किया है। कठुआ में पिछले करीब तीन माह के दौरान क्षेत्र में इस बार पर्याप्त वर्षा न होने के कारण किसानों की फसलें सूखने के कगार पर आ गई हैं। सर्दियों में गर्मी का खेती–किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पत्ता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं। आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, नाशपाती और यहां तक कि सेब जैसी बागवानी फसलों पर जल्दी फूल लगने से उनका उत्पादन चक्र गड़बड़ा रहा है और अनुकूल मौसम न होने के कारण या तो फूल फल में परिवर्तित नहीं हो पा रहे या फिर बहुत कमजोर हो रहे हैं। तापमान का असर मधुमक्खी और भंवरे जैसे कीटों पर भी पड़ा है, जिससे परागण की नैसर्गिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। वैसे भी सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17–18 लाख मीट्रिक टन रह गई है। जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है केसर की खेती। बेमौसम गर्मी के कारण न तो उसकी जड़ों का विस्तार हो पा रहा है और न ही पौधे की वृद्धि। कम बर्फबारी का सबसे दूरगामी कुप्रभाव है यहां की जल निधियों का अभी से सूखना। गांदरबल जिले की कई सरिताएं और छोटी नदियां अब सूख चुकी हैं। अनंतनाग जिले के मशहूर अचाबल तालाब में तली दिख रही है। कभी इससे 15 गांवों को पानी की आपूर्ति और कई सौ एकड़ धान के खेतों की सिंचाई होती थी। अनंतनाग जिले में वेरीनाग स्रोत में पानी का बहाव बहुत कम हो गया है। वेरीनाग से झेलम नदी निकलती है, जो घाटी के बीच से अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा और बारामूला जिलों तक बहती है और फिर पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी में मिल जाती है। सिंधु में मिलने से पहले, झेलम और रावी चेनाब नदी में मिलती हैं। समझा जा सकता है कि झेलम की धार कमजोर होने का अर्थ है ।

..........स्वास्थ्य..........

7 दिनों में बज जाएगी कोलेस्ट्रॉल की बैंड, रुटीन में खाई 2 चीजें कर देंगी नसों की सफाई

कोलेस्ट्रॉल एक ऐसी समस्या है जो हार्ट अटैक, स्ट्रोक, ब्लड प्रेशर, पित्ते की पथरी, डायबिटीज ना जाने कितनी तरह की हैल्थ प्रॉब्लम को अपने साथ लेकर आती हैं। कोलेस्ट्रॉल का हाई होना आपके शरीर को कई तरीके से नुकसान पहुंचाता है। कोलेस्ट्रॉल, विशेष रूप से या खराब कोलेस्ट्रॉल,ष जब खून में बढ़ जाता है तो यह धमनियों में जमने लगता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर समस्याएं भी एक के बाद एक बढ़ने लगती है। कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने का एकमात्र उपाय हैल्दी लाइफस्टाइल ही है। सही आहार खाकर ही इसे कंट्रोल में किया सकता है। वहीं सैर,योग और फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ाना भी इसके साथ बहुत जरूरी है।

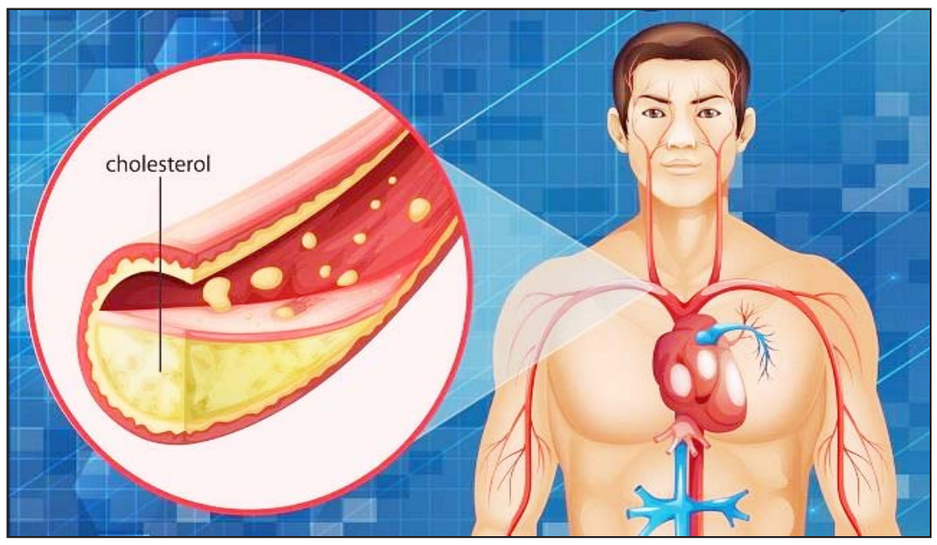

हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण

हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण त्वचा पर पीले चक्ते या लंप बन जाते हैं जो अक्सर आंखों के आस–पास या कोहनी और घुटनों पर नजर आते हैं। ऐसे ही, कुछ लक्षण हाथ–पैरों में भी नजर आ सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल इकट्ठा होने की वजह से आर्टरीज संकरी होने लगती हैं और रक्त प्रवाह कम हो जाता है। थकान, सिर दर्द, जी मिचलाना, सुन्न होना, पैरों में दर्द, सीने में दर्द, हाई ब्लड प्रेशर, हाथ–पैर पीले दिखने लगते हैं। पैरों, जांघों, कूल्हों और पंजों में ऐंठन होना, हाथ या पैर में झंझनाहट सुन्नपन रहता है। फिजिकल एक्टिविटी के दौरान पैरों में अकड़न होना, पेट के दाईं ओर ऊपरी हिस्से में दर्द होना।

नसों में जमा कोलेस्ट्रॉल को कैसे साफ करें

नसों में जमे गंदे कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए आपको अपनी डाइट को सही करना होगा। इसके लिए आप एक्सपर्ट की राय ले सकते हैं। डाइट चार्ट बनवा सकते हैं। वहीं बता दें कि नसों में कोलेस्ट्रॉल को साफ करने के लिए आपको सॉल्यूबल फाइबर से भरपूर ओट्स, जौ, फलियां, सेब, संतरा, जामुन, ब्रसेल्स स्प्राउट्स और गाजर का सेवन अधिक करना चाहिए क्योंकि सॉल्यूबल फाइबर ब्लडस्ट्रीम में इसके अवशोषण को कम करके एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में मदद मिलती है।

बिना दवाई के कोलेस्ट्रॉल कम करने में कितना समय लगता है?

स्वस्थ आहार और व्यायाम से कोलेस्ट्रॉल कम करने में 3–6 महीने लग सकते हैं लेकिन यह निर्भर करता है कि आपके कोलेस्ट्रॉल का लेवल कितना बढ़ गया है इसके लिए टेस्ट और डॉक्टरी सलाह लेनी बहुत जरूरी है। कुछ लोगों को इसमें दवा लेने की जरूरत हो सकती है।

7 दिनों में कोलेस्ट्रॉल कम करने के घरेलू उपाय

आयुर्वेद एक्सपर्ट की मानें तो आयुर्वेद में कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने के लिए अलसी के बीज और दालचीनी सबसे ज्यादा फायदेमंद है। हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीज अगर इन दोनों चीजों का सही तरीके से सेवन कर लें तो कुछ ही दिनों में असर दिखने लगेगा लेकिन नुस्खा कोई भी हो, इसे आजमाने से पहले आपको चिकित्सक परामर्श जरूर लेना चाहिए।

गुड़ खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है क्या?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर मीठे में और क्या खाएं? अगर आपक कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है और आपको मीठा खाने का मन कर रहा है तो आप चीनी की बजाय और गुड़ का सेवन करें है। गुड़ के पोषक तत्व कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में मददगार हैं।

अर्जुन की छाल से कम होगा कोलेस्ट्रॉल

अर्जुन की छाल में पाए जाने वाले तत्व खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करते हैं।

दही खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है क्या?

दही भी कोलेस्ट्रॉल के निर्माण को रोकता है और साथ ही उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने में मदद करता है। दही का सेवन दिन में करना बेहतर है, रात को खाने से परहेज करें।

कौन सा फल कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है

नींबू, संतरा और अंगूर जैसे खट्टे फलों का सेवन करना चाहिए। इनमें मिनरल्स, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी भरपूर होता है जो आपके बैड कोलेस्ट्रॉल को खत्म करने में मदद करता है।

उच्च कोलेस्ट्रॉल के लिए सबसे अच्छा आहार क्या है?

भरपूर मात्रा में हरी सब्जियां, फल और साबुत अनाज, फलियां (जैसे बीन्स और दालें), मेवे और बीज आदि खाएं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर क्या न खाएं

अगर आप हाई कोलेस्ट्रॉल की परेशानी से जूझ रहे हैं तो रेड मीट का सेवन बिल्कुल ना करें। इससे कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ता है क्योंकि रेड मीट में सैचुरेटेड फैट का मात्रा बहुत होती है जो बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा सकती है। रेड मीट के अलावा, बाकी नॉन वेज फूड्स का सेवन भी डॉक्टर की परामर्श पर करें।

इसी के साथ सैचुरेटेड फैट और ऑयली फूड्स, ट्रांस फैट, फैट वाले आहार जैसे मीट, अंडे का पीला हिस्सा (योक), दूध से बनी चीजें, जंक फूड फास्ट फूड आदि का सेवन ना करें। ज्यादा चीनी और कार्ब्स का सेवन कम करें। सफेद ब्रेड, पेस्ट्री, और शुगर ड्रिंक्स से बचें।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर क्या होगा?

1.धमनियों का सख्त होना (एथेरोस्क्लेरोसिस)

बैड कोलेस्ट्रॉल, धमनियों में जमना शुरू हो जाता है जिसे प्लाक कहा जाता है। यह प्लाक धमनियों को संकुचित और सख्त कर देता है, जिससे रक्त का प्रवाह प्रभावित होता है। इसे एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है और यह हृदय रोगों के प्रमुख कारणों में से एक है।

2. हृदय रोग

धमनियों में प्लाक जमा होने से दिल को खून और ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है। इससे सीने में दर्द (एंजाइना) हो सकता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है।

3. स्ट्रोक

जब दिमाग को खून की आपूर्ति करने वाली धमनियां अवरुद्ध हो जाती हैं तो स्ट्रोक हो सकता है। उच्च कोलेस्ट्रॉल, मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं में भी प्लाक जमा कर सकता है, जिससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। यह स्थिति जीवन के लिए गंभीर और घातक हो सकती है। ब्रेन स्ट्रॉक व्यक्ति के जीवन के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है।

4. उच्च रक्तचाप

जब धमनियां संकुचित और सख्त होती है तो दिल को खून पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इससे ब्लड प्रैशर बढ़ जाता है।

उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल एक साथ होने से हृदय पर दबाव बढ़ता है,।

महाशिवरात्रि 2025 : जानें किन लोगों को नहीं करना चाहिए व्रत

महाशिवरात्रि का व्रत बहुत ही शुभ और फलदायी माना जाता है। यह व्रत भगवान शिव की भक्ति में समर्पण का प्रतीक है और ऐसा विश्वास किया जाता है कि इस दिन की पूजा और व्रत से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। महाशिवरात्रि का व्रत करने से सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है। लेकिन इस व्रत को करने से पहले कुछ विशेष नियमों का पालन करना जरूरी है। शिव पुराण में महाशिवरात्रि व्रत के लिए कुछ निर्देश दिए गए हैं, जिनके बारे में जानना आवश्यक है।

महाशिवरात्रि व्रत किन लोगों को नहीं रखना चाहिए?

शिव पुराण के अनुसार, महाशिवरात्रि का व्रत सभी को नहीं करना चाहिए। खासतौर पर गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग और वे महिलाएं जिन्हें पीरियड्स (माहवारी) हो रहे हों, उन्हें महाशिवरात्रि का व्रत नहीं करना चाहिए। इसका कारण यह है कि गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को पोषक और संतुलित आहार की आवश्यकता होती है। वहीं, माहवारी के दौरान महिलाओं का शारीरिक स्वास्थ कुछ हद तक कमजोर होता है, इसलिए इस समय व्रत से बचना चाहिए।

महाशिवरात्रि व्रत कैसे करें?

महाशिवरात्रि व्रत के एक दिन पहले, यानी त्रयोदशी तिथि को, भक्तों को केवल एक बार भोजन करना चाहिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि व्रत के दिन पाचन तंत्र में कोई अपचित भोजन शेष न रहे। व्रत का संकल्प शिवरात्रि के दिन, भक्तों को नित्य कर्म करने के बाद केवल फलाहार या निराहार व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इस दिन सभी प्रकार के भोजन से दूर रहना चाहिए। महाशिवरात्रि व्रत के दिन पवित्र स्नान करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। स्नान के जल में काले तिल डालने से शरीर और आत्मा का शुद्धिकरण होता है। यदि संभव हो, तो गंगा स्नान करना अत्यधिक पुण्यकारी माना जाता है।

पूजा विधि– रात्रि के चारों प्रहर में अभिषेक पूजा की जाती है। इसके लिए मिट्टी का शिवलिंग बनाकर जल और पंचामृत से अभिषेक किया जाता है। पूजा के दौरान दुग्ध, गुलाब जल, चंदन, दही, शहद, घी, चीनी, बेलपत्र, मदार के फूल, भांग, गुलाल और जल जैसी सामग्रियों का प्रयोग किया जाता है।

मंत्र जाप– पूजा के समय नमः शिवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। यह मंत्र भगवान शिव की आराधना का सबसे महत्वपूर्ण मंत्र है।

व्रत का समापन– महाशिवरात्रि व्रत का समापन चतुर्दशी तिथि के पश्चात किया जाता है।

महाशिवरात्रि 2025– महासंयोग

महाशिवरात्रि 2025 का पर्व 26 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन एक विशेष महासंयोग भी बन रहा है, जो पिछले 149 वर्षों में कभी नहीं हुआ।

महाशिवरात्रि का व्रत बहुत ही प्रभावशाली होता है, लेकिन यह व्रत सभी के लिए नहीं है। यदि आप इस व्रत को करने का विचार कर रहे हैं, तो पहले इसके नियमों और विधियों को समझ लें। किसी भी धार्मिक अनुष्ठान को करने से पहले अपने डॉक्टर से या विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें।

राज्यपाल ने किया शगुन भेंट

दैनिक देश की उपासना, राजस्थान

झुंझुनूं । झुंझुनूं निवासी व श्री श्याम सेवक परिवार संस्था अध्यक्ष एवं आर्यावर्त सर्व ब्राह्मण महासभा राजस्थान युवा प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप भार्गव द्वारा राज्यपाल हरिभाऊ बांगड़े को शादी समारोह में आने के लिए निमंत्रण दिया गया, पर किसी कारणवश राज्यपाल हरिभाऊ बांगड़े शादी समारोह में

शिरकत नही कर पाए। इसी को लेकर झुंझुनूं में आयोजित एक समारोह में कुलदीप भार्गव को राज्यपाल हरिभाऊ बांगड़े ने शादी का शगुन भेंट कर वैवाहिक जीवन की मंगलकामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस को लेकर कुलदीप भार्गव ने राज्यपाल हरिभाऊ बांगड़े का आभार प्रकट किया।

नर सेवा ही नारायण की सच्ची सेवा है – योगिनी नीलम

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। प्रख्यात समाजसेविका योगिनी नीलम अक्सर समाजसेवा के कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेती रहती है। हाल ही में लखनऊ व्यापारी सेवा संघ द्वारा तीसरे लाडली विवाह उत्सव का आयोजन किया गया था जिसमें सर्वोदय व्यापार मंडल महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष योगिनी

नीलम भी पहुंची थी और 15 वधुओं को साड़ियां उपहार में दी थी।द अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा लखनऊ में महिला मोर्चा की जिला प्रभारी योगिनी नीलम समाजसेवा का कोई भी अवसर नहीं छोड़ती है फिर वह चाहे जरुरतमंदों को भोजन या वस्त्र वितरण करना हो या निर्धनों की तन मन धन से सहायता करनी हो। ऊं ह्लीं भैरव शक्ति सेवा ट्रस्ट के माध्यम से योगिनी नीलम प्रत्येक पर्व तथा धार्मिक आयोजनों में भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेती रहती है। लाडली विवाह उत्सव में 15 निर्धन वधुओं को साड़ियां उपहार में देते हुए योगिनी नीलम ने कहा कि हर व्यक्ति में नारायण का वास होता है इसलिए नर सेवा ही नारायण की सच्ची सेवा होती है। वधुओं को आशीर्वाद देते हुए उन्होंने कहा कि यह बहुत ही पुनीत समाजिक कार्य है जिसमें सनातन धर्म को नमन करते हुए मैंने भी कुछ आहुतियां डाल दी है।

जेएसडब्लू एमजी मोटर ने ब्लैकस्टॉर्म एडिशन पेश किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। देश की अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट ईवी के पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए ब्लैकस्टॉर्म एडिशन को पेश किया है। यह नई पेशकश भारत की इस स्ट्रीट–स्मार्ट ईवी को और भी स्टाइलिश और आकर्षक बनाती है। 7.80एल रुपए के साथ बैटरी रेंटल 2.5 रुपए प्रति किमी. की एक्स–शोरूम कीमत पर लॉन्च की गई कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को टॉप वैरिएंट के रूप में पेश किया गया है। वे ग्राहक जिन्हें शहरी आवाजाही के लिए स्टाइलिश और तकनीक से भरपूर कार की तलाश थी, अब वे अपनी नजदीकी एमजी डीलरशिप पर जाकर 11,000 रुपए का भुगतान कर नई एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को बुक कर सकते हैं। इस नए लॉन्च के बारे में बात करते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सेल्स हेड राकेश सेन ने कहा आज के आधुनिक भारतीय ग्राहक एक ऐसी कार की तलाश कर रहे हैं जो न सिर्फ बेहद खास हो, बल्कि उसमें उनके व्यक्तित्व की भी झलक दिखाई देती हो। आज के ग्राहक बोल्ड रंगों को पसंद कर रहे हैं। ये रंग उन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं, साथ ही उनकी यही पसंद दूसरों से अलग दिखाई पड़ती है। हम कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को लॉन्च करते हुए बेहद उत्साहित हैं। स्टाइल और खूबसूरती के साथ यह कार हर दिन के सफर को और भी सुकून भरा बनाने का वादा करती है। कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म यह दिखाती है कि हम अपने लाइन–अप को नियमित रूप से रिफ्रेश करते हुए ग्राहकों की बदलती जरूरतों को लगातार पूरा करने के लिए कितना समर्पित भाव से काम करते हैं। कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म अपने स्टेरी ब्लैक एक्सटीरियर के साथ खूबसूरती और स्टाइल का एहसास कराती है, इसके साथ यह कार और भी आकर्षक बन जाती है। कॉमेट ईवी नेमप्लेट को गहरे क्रोम में उकेरा गया है और इंटरनेट इनसाइड को काले रंग में पेश किया गया है। यह बदलाव देखने वालों का ध्यान तेजी से आकर्षित करता है। इसके इंटीरियर को भी ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। इसकी लेदरेट सीटों पर लाल रंग से श्ब्लैकस्टॉर्मश् शब्द की कढ़ाई की गई है। इससे यह कार और भी प्रीमियम लुक में दिखाई देती है। संगीत प्रेमियों के लिए, कंपनी ने कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को 4 स्पीकर के साथ पेश किया है। इससे अब ट्रैफिक की भीड़ में भी आप सुकून के साथ सफर कर सकेंगे। इस नए एडिशन में 17.4 किलोवाट की बैटरी दी गई है जो फास्ट–चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यह बैटरी 230 किलोमीटर की प्रमाणित रेंज प्रदान करती है। ग्राहक अपने कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को एक खास एक्सेसरी पैक के साथ और भी पर्सनलाइज बना सकते हैं। इस एक्सेसरी पैक में एक खास बैज, व्हील कवर और हुड ब्रांडिंग और स्किड प्लेट जैसे स्टाइलिंग विकल्प मौजूद हैं। एमजी कॉमेट ईवी में शहरी यात्रियों की जरूरतों के हिसाब से सभी फीचर्स उनकी मनचाही स्टाइल के साथ पेश किए गए है, यह सब एक सेफ और स्मार्ट पैकेज के साथ आता है। 2024 में कॉमेट ईवी की बिक्री में वर्ष 2023 के मुकाबले 29प्रतिशत की दमदार ग्रोथ देखने को मिली है, यह बताता है कि कार खरीदार इसे कितना पसंद करते हैं। इसके इनोवेटिव डिजाइन और व्यवारिक फीचर्स ने देश भर के ग्राहकों को आकर्षित किया है। इन्हीं खूबियों के साथ यह स्टाइलिश, पर्यावरण के अनुकूल आवागमन का साधन तलाश रहे शहरवासियों के लिए एक पसंदीदा विकल्प बन गई है।

धानुक समाज उत्थान हितकारी समिति ने धूमधाम से महर्षि सुपंच सुदर्शन जयंती मनाई

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। राजधानी में धानुक समाज उत्थान हितकारी समिति ने धूमधाम से महर्षि सुपंच सुदर्शन की जयंती मनाई। कार्यक्रम का आरम्भ केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पीछे बापू नगर स्थित महर्षि सुपंच सुदर्शन मंदिर पर हवन पूजन से हुआ। भण्डारा व प्रसाद वितरित करने के बाद बैंड बाजों, डीजे और सजी हुई बग्गियों से सजी भव्य शोभायात्रा को पार्षद सुशील कुमार तिवारी पम्मी ने हरी झंडी दिखाई। भव्य शोभायात्रा कैसरबाग चौराहे, लाटुश रोड, बासमंडी चौराहे होते हुए विजय नगर, चारबाग में सम्पूर्ण हुई। विजय नगर महर्षि सुपंच सुदर्शन मंदिर पर माथा टेकने के बाद विशाल सभा में परिवर्तित हो गई। यहां आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धानुक समाज के लोग एकत्रित हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक कैण्ट डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने महर्षि सुपंच सुदर्शन को प्रणाम करते हुए कहा कि हमारे ऋषि मुनियों ने सदैव पढ़ने लिखने और दूसरों की सेवा करने का संदेश दिया है। धानुक समाज की मांग पर विजय नगर में बने पंचायत भवन के दूसरे तल तथा

भवन में और निर्माण के लिए अपनी विधायक निधि देने की घोषणा करता हूं। उत्तर प्रदेश के मशहूर बैंड संचालक रामकुमार आजाद ने कहा कि डिप्टी सीएम मेरे सीनियर रहे हैं और उन्होंने जो वादा किया है वो जरूर पूरा करेंगे। आजाद ने कहा कि वे प्रयागराज महाकुंभ में दो बार डुबकी लगाने के साथ गंगा मैया को विशेष ट्रम्पेट की धुन से माथा टेक चुके हैं और आगे देवप्रयाग, कर्ण प्रयाग जैसे संगम स्थलों पर विशेष ट्रम्पेट से गंगा मैया को नमन करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व कैण्ट विधायक सुरेश कुमार तिवारी, पार्षद सुशील कुमार तिवारी पम्मी के साथ राजाजीपुरम से पार्षद प्रतिनिधि राजीव त्रिपाठी के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहें। धानुक समाज उत्थान हितकारी समिति के मुख्य संरक्षक रामकुमार आजाद, अध्यक्ष सोनू कुमार धानुक, महामंत्री चंदन धानुक व गोविंद धानुक, उपाध्यक्ष मनोज कुमार धानुक व दयाशंकर धानुक व शिवपाल धानुक, कोषाध्यक्ष संतोष धानुक, प्रचार मंत्री सोनू धानुक के साथ सरोज कुमार धानुक, एडवोकेट अजय धानुक, जयराज धानुक, दुर्गेश धानुक, भाईलाल धानुक, मुकेश धानुक, शंकर धानुक, अशोक धानुक, अनुज, जैकी, राजा, अरविंद, कमलेश, शनि कुमार आदि धानुक समाज के लोग मौजूद रहें। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होनहार बच्चों और धानुक समाज के लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात भव्य भण्डारे आयोजित किया गया।

मारपीट से तिलमिलाए दबंगों ने देसी बम से किया हमला

बस्ती, (संवाददाता)। कस्बे के मछली मंडी में तीन दिन पहले मामूली विवाद के बाद हुई मारपीट के मामले में एक पक्ष के दबंगों ने शनिवार की रात में दूसरे पक्ष के घर पर देसी बम से हमला कर दिया। पहले पुलिस घटना को असत्य मानकर जांच–पड़ताल करने का बहाना बनाती रही, मगर रविवार की रात में एक नामजद व तीन अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कर लिया। शुक्रवार की शाम नरसिंहपुर गांव निवासी आदित्य सिंह दोस्तों के साथ हनुमानगढ़ी नगर वार्ड के मछली मंडी आया था। किसी बात पर उसकी इसी वार्ड के रहने वाले माता प्रसाद सोनकर से बहस हो गई। बात बढ़ गई तो माता प्रसाद के बेटे और अन्य परिजन मौके पर जुट गए और आदित्य व उसके साथियों की पिटाई कर दी। आसपास के लोगों के बीच–बचाव करने के बाद आदित्य साथियों के साथ लौट गया। मारपीट से तिलमिलाए आदित्य ने साथियों के साथ खौफनाक योजना बना डाली और शनिवार की रात करीब दो बजे दो बाइक से चार लोगों को साथ लेकर माता प्रसाद के घर पहुंच गया। आरोप है कि उसने गाली देते हुए देसी बम से हमला कर दिया। छर्रे लगने से माता प्रसाद घायल हो गए। धमाके के बाद अगल–बगल के घरों में सो रहे लोगों की नींद खुल गई। पहले तो लोगों ने पटाखे की आवाज समझकर अनदेखी की। बाद में पीड़ित ने 112 पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि सूचना देने के आधे घंटे बाद पहुंची पुलिस ने पीड़ित को मुरादीपुर चौराहे पर पिकेट ड्यूटी पर तैनात सिपाहियों के पास जाने को कहा। वहां तैनात सिपाहियों ने सुबह थाने पर आने को कहकर टाल दिया। शनिवार को जब वह थाने पर गया तो मौजूद उप निरीक्षक ने जांच–पड़ताल का हवाला देकर वापस भेज दिया। रविवार को मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस ने देर रात आदित्य और उसके साथियों पर केस दर्ज कर लिया। प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने बताया कि सूचना के बाद मामले की जांच–पड़ताल में मिले तथ्यों के आधार पर केस दर्ज हुआ है।

महाशिवरात्रि पर उमड़ी भक्तों की भीड़ तहसीलदार ने किया देवालय का निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आलोक श्रीवास्तव

सुलतानपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जिलेभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी कादीपुर तहसील क्षेत्र में भी भक्तों का तांता

लगा रहा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया बुधवार को तहसीलदार घनश्याम भारतीय ने कादीपुर तहसील क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया उन्होंने मंदिर प्रबंधन से बातचीत कर सुरक्षा साफ–सफाई और भक्तों की सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए साथ ही उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जलाभिषेक और दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और मंदिर परिसर में शांति व्यवस्था बनी रहे। इसी तरह बल्दीराय तहसील क्षेत्र वलीपुर में बाबा जंगली नाथन महादेव धाम में सुबह तीन बजे से भक्तों ने जलाभिषेक किया । सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस प्रशासन पूरी तरह लगा रहा ।

सड़क हादसे में महिला की मौत परिवार में शोक साइकिल सवार को बचाने में हुआ हादसा

ब्यूरो चीफ आलोक श्रीवास्तव

सुलतानपुर / बल्दीराय थानाक्षेत्र में हलियापुर कुडवार मार्ग पर स्थित पूरे सूबेदार गांव के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में (56) वर्षीय महिला की मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, पूरे सुजान गांव की रहने वाली जमातुल निशा अपने बेटे अरमान के साथ मोटरसाइकिल से पारा बाजार जा रही थीं। रास्ते में एक साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में पीछे बैठी जमातुल निशा सड़क पर गिर गईं और उनके सिर में गंभीर चोट लग गई।मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घटना की सूचना परिजनों को दी। परिजन उन्हें 108 एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुड़वार ले गए,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।इस हादसे के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं,इस घटना से पूरे गांव में भी गम का माहौल है।

छात्र का फंदे से लटकता मिला शव परीक्षा के तनाव का शक

बस्ती, (संवाददाता)। बस्ती शहर के बैरिहवा मोहल्ले में किराए के कमरे में रहने वाले 12वीं के छात्र का कमरे में फंदे से लटकता शव मिला। मृतक, सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग का छात्र था और उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में परीक्षा दे रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि उसका दो पेपर अच्छा नहीं हुआ था, जिसे लेकर वह तनाव में था। जानकारी के अनुसार संतकबीरनगर जिले के बौर व्यास गांव का निवासी आदर्श पांडेय(17) कोतवाली क्षेत्र के बैरिहवा मोहल्ले में किराए का कमरा लेकर रहता था। रामबाग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में कक्षा 12 में पढ़ता था। बताया जा रहा है कि सोमवार रात कमरे में उसे फंदा लगा लिया। हालांकि अभी तक कमरे में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पीएम रिपोर्ट के बाद मौत की पुष्टि हो सकेगी।

शॉर्ट सर्किट से मोबाइल की दुकान में लगी आग

बस्ती, (संवाददाता)। कस्बे के आंबेडकर नगर वार्ड में रविवार की रात को शॉर्ट सर्किट के कारण मोबाइल की दुकान में आग लग गई। दुकान में रखे करीब दो लाख के उपकरण और करीब पांच लाख रुपये नकद जल गए। घर के सभी सदस्य दुकान के पीछे सटे हुए कमरे में सो रहे थे। गनीमत रही कि इनवर्टर बंद होने पर निकलने वाली आवाज सुनकर किसी की आंख खुल गई। सूचना पर सुबह मौके पर पहुंचे लेखपाल ने क्षति का जायजा लेकर रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी। कस्बे के आंबेडकर नगर वार्ड में अमर गुप्ता अपने मकान में मोबाइल की दुकान चलाते हैं।

विश्वनाथ धाम में सुबह छह से नौ बजे तक अखाड़ों के आचार्य, नागा साधु करेंगे दर्शन

वाराणसी, (संवाददाता)। महाशिवरात्रि (26 फरवरी) पर सुबह छह से नौ बजे तक अखाड़ों के आचार्य, साधु–संत और नागा साधुओं को श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन कराए जाएंगे। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि इन सभी को गेट नंबर चार से

दर्शन कराया जाना है। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और डीएम एस राजलिंगम ने सोमवार को गोदौलिया क्षेत्र का निरीक्षण किया। इसी दौरान मृत्युंजय मठ भी गए और वहां पंचनामदस जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि से मिलकर विचार–विमर्श किया। साथ ही महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन करने जाने वाले अखाड़ों के साधु–संन्यासियों के संबंध में चर्चा की। इसके बाद अखाड़ों के लोगों के दर्शन का समय तय किया गया। इस दौरान आचार्य महामंडलेश्वर ने खुद की लिखी पुस्तक ''एटरनल इकोज'' सभी अधिकारियों को भेंट की। मंडलायुक्त ने एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा और मंदिर के सीईओ विश्वभूषण को अखाड़ों के साथ ही श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन की व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अखाड़ों के साधु–संतों, श्रद्धालुओं को मंदिर दर्शन के लिए तय मार्गों और गलियों से ले जाने के लिए कहा। पुलिस आयुक्त ने एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय को यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने हेतु सभी संभव प्रयास करने के निर्देश दिए। अस्पतालों में अलर्ट, शिवमंदिरों के पास खड़ी रहेंगी एंबुलेंस महाशिवरात्रि पर काशी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने की संभावनाओं को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। मारवाड़ी अस्पताल, मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा सहित अन्य अस्पतालों की इमरजेंसी में डॉक्टरों की टीम को अलर्ट किया गया है। साथ ही यहां किसी भी तरह की आपात स्थिति में जांच, इलाज की मुकम्मल व्यवस्था रखने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से रेलवे स्टेशन, चितरंजन पार्क, घाट, काशी विश्वनाथ धाम समेत जिन जगहों पर हेल्थ बूथ बनाए गए हैं। सीएमओ डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि हेल्थ बूथ पर डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ की टीम की तैनाती करने के साथ ही विश्वनाथ धाम, मार्कंडेय महादेव सहित अन्य प्रमुख शिव मंदिरों के पास एंबुलेंस मुस्तैद रहेगी।

नहाते समय पैर फिसलने से हुई घटना, नेपाल और राजस्थान से काशी घूमने आए थे पर्यटक

वाराणसी, (संवाददाता)। वाराणसी जिले की कोतवाली थाना अन्तर्गत पंचगंगा घाट पर मंगलवार को नेपाल से काशी घूमने आए राजेश श्रेष्ठ (32) की गहरे पानी में जाने से मौत हो गई। राजेश के साथ आए उसके दोस्तों ने घटना की सूचना आसपास मौजूद लोगों की मदद से पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और डीआरएफ की टीम की मदद से शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रखवाया गया। साथ ही घटना की सूचना परिजनों को दी गई। नेपाल के जिला दुआखुर निवासी राजेश श्रृष्ठ पुत्र प्रेम बहादुर अपने चार दोस्तों के साथ काशी घूमने आया था। मंगलवार सुबह सभी पंचगंगा घाट पहुंचे। राजेश के दोस्तों ने बताया कि गंगा स्नान कर सभी काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन करने जाने वाले थे। घाट पर नहाते वक्त राजेश का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। वहां मौजूद दोस्त जब तक उसे बचाने की कोशिश करते तब तक वह डूब गया। उधर, मामले को लेकर चौकी इंचार्ज प्रशांत गुप्ता ने बताया कि राजेश के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है। मृतक के बड़े भाई राजू वाराणसी के लिए निकल गए हैं। परिवार के आने के बाद पुलिस

आगे की कार्रवाई करेगी। गहरे पानी में जाने से राजस्थान से आए युवक की मौत आदमपुर थाना क्षेत्र के सक्का घाट पर मंगलवार को राजस्थान से आए अनिल जी स्वामी (26) की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची आदमपुर पुलिस ने निजी गोताखोरों की मदद से युवक के शव को पानी से बाहर निकाला। नवी मंडी तहसील गड़साना गेस्ट हाउस में ठहरे थे। सुबह अनिल और परिवार के लोग गंगा स्नान के लिए सक्का घाट पहुंचे थे। नहाते समय अनिल आगे चला गया। जिसके कारण वह डूब गया। अनिल को पानी में डूबता देख परिवार के लोगों ने शोर मचाया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। आदमपुर पुलिस युवक के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई कर रही है।

पांच घाटों से सात अखाड़ों की निकलेगी पेशवाई, नागा साधु नाव और बग्घी पर होंगे सवार

वाराणसी, (संवाददाता)। महाशिवरात्रि (26 फरवरी) पर आराध्यदेवों के साथ सात अखाड़े पांच घाटों से पेशवाई (राजसी यात्रा) निकाल कर देवाधिदेव महादेव का चरण पखारने पहुंचेंगे। दो अखाड़े नाव तो बाकी पदयात्रा करते हुए जाएंगे। बग्घी, घोड़े पर सवार होकर अखाड़ों के आचार्य महामंडलेश्वर की अगुवाई में नागा साधु–संत राजसी अंदाज में जाएंगे। सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ पांच अखाड़े सुबह छह बजे, महानिर्वाणी व अटल अखाड़ा एक साथ दोपहर 12 बजे से पेशवाई निकालेंगे। पांच हजार से ज्यादा नागा साधु–संत दर्शन पूजन करेंगे। पेशवाई में जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, सुमेरुपीठ के पीठाधीश्वर स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती भी शामिल होंगे। उधर, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में चार नंबर गेट से सुबह सात बजे से उनका प्रवेश शुरू हो जाएगा। महाकुंभ के पलट प्रवाह को देखते हुए महाशिवरात्रि पर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन सुगमता से कराया जाएगा। प्रशासन व अखाड़ों के बीच दर्शन के लिए समय तय हो गया है।

दिनदहाड़े महिला का मंगलसूत्र छीनकर भागे, बाइक सवार बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

वाराणसी, (संवाददाता)। वाराणसी में मिर्जामुराद बाजार स्थित फ्लाई ओवर ब्रिज पिलर नंबर 1 के पास मंगलवार को दोपहर में बाइक सवार बदमाशों ने पैदल जा रही महिला का झपट्टा मारकर गले से मंगलसूत्र छीन लिया। मिर्जामुराद बाजार की तरफ भाग निकले।भुक्तभोगी महिला रोते दौड़ते सरे राह गुहार लगा चिल्लाती रह गई। सूचना पर पहुचे परिजनों के साथ मिर्जामुराद थाने पहुंच लिखित सूचना दिया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के खगरामपुर जो अपने मायका में रहने वाली पूनम देवी पत्नी अवधेश चौहान अपनी माता सितारा देवी और बच्चों के साथ बीते सोमवार को चौकाघाट एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी। मंगलवार को वापस लौटते समय राने चट्टी (मिर्जामुराद) बस से उतरकर पैदल अपने घर के लिए रोड से जा रही थी। इसी दौरान श्यामामाता मंदिर की तरफ से जाते समय कछवा रोड से मिर्जामुराद बाजार की तरफ जा रहे बाइक सवार बदमाशों ने पूनम के गले पर झपट्टा मार कर सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और मौके से फरार हो गए। इधर, पीड़ित महिला मिर्जामुराद थाने पहुंची और लिखित सूचना दी। पुलिस बदमाशोंकी तलाश के लिए सबंधित सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।

यूपी बोर्ड परीक्षा शुरू, पहले दिन साढ़े आठ हजार विद्यार्थी अनुपस्थित

गोरखपुर, (संवाददाता)। यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं जिले के 199 परीक्षा केंद्रों पर सोमवार से शुरू हो हुईं। पहले दिन दोनों पालियों में सभी परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्वक तरीके से परीक्षा संपन्न हुईं। इसमें हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के कुल 8,555 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। हिंदी में 8,447 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। बोर्ड परीक्षा में इस बार 10वीं में 69,229 और 12वीं 74,437 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। पहले दिन जिला कंट्रोल रूम, परिषद मुख्यालय, राज्य स्तर के कंट्रोल रूम से परीक्षा की पल–पल की लाइव मॉनिटरिंग की गई। सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण शासन की ओर से नामित राज्य स्तरीय मंडलीय पर्यवेक्षक आनंदकर, राज्य स्तरीय जनपदीय पर्यवेक्षक रामाज्ञा कुमार, जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, मंडलीय सचल दल एवं जनपदीय सचल दल ने किया। दोनों पाली की परीक्षाएं नकल विहीन, शांतिपूर्ण और सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में हुईं। परीक्षा केंद्रों पर सख्त पहरा देखा गया। पहली पाली में 10वीं हिंदी और 12वीं की सैन्य विज्ञान की परीक्षा हुई। हाईस्कूल में कुल पंजीकृत 69,229 परीक्षार्थियों में से 4,741 अनुपस्थित रहे। इंटरमीडिएट सैन्य विज्ञान में कुल पंजीकृत 221 परीक्षार्थियों में से 28 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 12वीं की सामान्य हिंदी और साहित्यिक हिंदी विषय की परीक्षा हुई। सामान्य हिंदी में कुल पंजीकृत 43,457 परीक्षार्थियों में से 2,046 और साहित्यिक हिंदी में कुल पंजीकृत 28,842 परीक्षार्थियों में से 6,401 अनुपस्थित रहे। पहली बार बोर्ड परीक्षा दे रहे थे, इसलिए थोड़ा तनाव था।

सपा ने कभी नहीं किया आंबेडकर का सम्मान, जिनके बच्चे विदेश में पढ़ते हैं, वे नहीं समझेंगे दर्द - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले तीन वर्ष में उत्तर प्रदेश गरीबी रेखा से पूरी तरह मुक्त होगा।

हर व्यक्ति का जीवन स्तर इतना उठाएंगे कि वह सम्मान से खुद को यूपीवासी कह सकें। उन्होंने सपा की ओर इशारा करते हुए कहा कि 2017 के पहले की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। यूपी के नाम पर धर्मशाला में कमरा भी नहीं मिलता था। वे सोमवार को विधानसभा में बजट सत्र के पांचवें दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 13.57 लाख परिवार चिह्नित किए गए हैं। अगले दो वर्ष में इनका जीवन स्तर इतना बढ़ाएंगे कि हर परिवार सवा से डेढ़ लाख रुपये सालाना कमाने का सामर्थ्य अर्जित कर सके।

हमने प्रदेश के गरीबों को उनका अधिकार दिलाया है। महाकुंभ व अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर निर्माण के बाद प्रदेशवासी जहां भी जा रहे हैं, उन्हें सम्मान मिल रहा है। देश में करीब 25 करोड़ और यूपी में आठ वर्ष में 6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया। सीएम ने जीरो पॉवर्टी पर कहा कि जो मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए, वे क्या जाने गरीबी क्या होती है? केंद्र की योजनाओं को सपा सरकार ने पहले ढाई वर्ष में यूपी में लागू नहीं किया। 2017 के बाद यूपी में 56 लाख गरीबों के लिए आवास व शौचालय बने, गांवों को राजस्व गांव का दर्जा देकर मुख्य धारा से जोड़ा गया। राशन कार्ड, जमीन का पट्टा, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य व्यवस्थाएं की गईं। अटल आवासीय विद्यालयों में आज गरीब–श्रमिक का बच्चा भी सीबीएसई बोर्ड से पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं और बजट प्रावधानों को विस्तार से बताया। योगी ने कहा कि सदन में सत्ता पक्ष से जुड़े 98 और प्रतिपक्ष के 48 सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया है। नेता प्रतिपक्ष समाजवादी से सनातनी हो गए हैं। स्वभाव के विपरीत उन्होंने अपने सदस्यों को टोका भी। यह स्वागतयोग्य है। कहा, हम बुद्ध, जैन, सिख, कबीर रविदास सभी परंपरा के प्रति पूरा सम्मानभाव रखते हैं। पहली बार गुरुवाणी का पाठ निरंतर सीएम आवास पर हो रहा है।

सपा सदस्यों पर इशारा करते हुए सीएम ने कहा कि आप संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं, लेकिन सांविधानिक पदों पर बैठे महानुभावों के प्रति आपका दृष्टिकोण क्या है? यह राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सदन ने देखा है। यदि ऐसा व्यवहार सांविधानिक है तो असांविधानिक क्या है? सपा सोशल मीडिया सेल का हैंडल देखिए। वह उनकी विचारधारा, आंतरिक शिष्टाचार, लोकतंत्र के प्रति उनके विचारों की अभिव्यक्ति का ऐसा माध्यम है जिससे कोई भी सभ्य समाज लज्जा महसूस करता है। फिर भी आप दूसरों को उपदेश देते हैं। महाकुंभ में एक जाति विशेष को रोकने के सवाल पर सीएम ने कहा कि किसी जाति को रोका नहीं गया, बल्कि यह कहा गया था कि जो सद्भावना से जाएगा उसका स्वागत है, जो दुर्भावना से जाएगा उसकी दुर्गति होगी। सपा और नेता प्रतिपक्ष पर तंज कसते हुए योगी ने कहा कि अच्छा लगा कि आपने महाकुंभ, सनातन परंपरा व अयोध्या धाम को स्वीकार किया। समाजवादी जब अंतिम पायदान पर खड़ा होता है तो उसे धर्म की याद आती है। सीएम ने नेता प्रतिपक्ष से कहा कि 2013 में आपको जाने नहीं दिया गया था। इस बार आप महाकुंभ में गए थे। महाकुंभ में यदि विश्वस्तरीय सुविधा नहीं होती तो अब तक 63 करोड़ श्रद्धालु उसका हिस्सा नहीं बनते। अनुमान है कि 26 फरवरी तक यह संख्या 65 करोड़ पार करेगी। योगी ने कहा, सपा ने आस्था के साथ खिलवाड़ किया था, तत्कालीन सीएम को फुर्सत नहीं थी। एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बनाया था, लेकिन महाकुंभ की निगरानी मैं खुद कर रहा हूं। 2013 के कुंभ में अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और प्रदूषण देखने को मिला। त्रिवेणी में स्नान करने लायक पानी नहीं था। मॉरिशस के प्रधानमंत्री ने स्नान से ही इन्कार कर दिया था। पर, इस बार राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, भूटान के नरेश समेत दुनिया के 74 देशों के हेड ऑफ कमीशन भी महाकुंभ में शामिल हुए। पहली बार उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम से लोग आयोजन का हिस्सा बने। क्या है वैश्विक आयोजन नहीं है? सीएम ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर, कांशीराम व अन्य दलित–पिछड़े महापुरुषों को सपा और विपक्ष की सरकारों ने कभी सम्मान नहीं दिया। कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम तक बदल दिया। पर, डबल इंजन की सरकार बाबा साहब के सम्मान में कई कार्य कर रही है। यह संविधान का अमृत महोत्सव वर्ष है। सपा के गेस्ट हाउस कांड को लोगों ने अपनी आंखों से देखा है।

हर दिशा में प्रगति योगी ने कहा, काला नमक को हमने पहचान दिलाई है। आज प्रदेश में ओडीओपी से करीब ढाई लाख करोड रुपये के उत्पादों का निर्यात हो रहा है। वैश्विक निवेशक सम्मेलन से प्रदेश में 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए। 60 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी मिली। अयोध्या में सनातन धर्म संग्रहालय बनाया जाएगा, यहां दुनिया भर के मंदिरों की स्थापत्य कला का प्रदर्शन होगा। सीएम ने कहा कि कानून के राज से किसको चिढ़ है यह हर व्यक्ति जानता है। उन्होंने अपराधों में आई कमी के आंकड़े भी पेश किए। कमिश्नरेट सिस्टम की तारीफ की। कहा, सिंगल विंडो सिस्टम को लागू होने से बिना मानवीय हस्तक्षेप के 500 प्रकार की एनओसी एक पोर्टल से मिल रही है। 2016–17 में प्रदेश में प्रति कैप्टा इनकम 48,520 रुपये थी जो 2023–24 में यह बढ़कर 93,514 हो गई है। पौने आठ वर्ष में प्रदेश में जल, थल और वायु की बेहतरीन कनेक्टिविटी हुई है। सभी को बिजली मिल रही है। किसानों के निजी नलकूप का बिल माफ हुआ, गन्ना किसानों को समय पर भुगतान मिला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी होने से प्रदेश के किसानों के खाते में सीधे 5,583 करोड़ 55 लाख रुपये ट्रांसफर हुए हैं। डेंगू, मलेरिया, जेई और एईएस नियंत्रित हैं।

बेल की बाग में मिले पगचिह्न, आया और बचा मांस खाकर फुर्र, देखता रहा वन विभाग

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के रहमानखेड़ा में बेहता नाला किनारे बेल वाली बाग में बाघ ने दो दिन पहले पड़वे का शिकार किया था। सोमवार को वन विभाग की टीम शिकार स्थल पर बाघ के लौटने का इंतजार करती रही, लेकिन वह नजर नहीं आया। उधर, ग्रामीणों का दावा है कि बाघ शिकार स्थल के आसपास घूमकर पड़वे का बचा हुआ मांस खाकर जंगल की ओर लौट गया। वन विभाग की टीम को बाग में बाघ के ताजा पगचिह्न मिले हैं। अब वन विभाग ने फिर से वहां नया पड़वा बांधा है। टीम का मानना है कि बाघ शिकार करने के बाद कहीं छुप गया है।

महाशिवरात्रि से पहले रामनगरी में उमड़ा भक्तों का सैलाब

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या में बुधवार को हर हर महादेव... के उद्घोष के साथ महाशिवरात्रि का उल्लास बिखरेगा। इसके लिए शिवालयों को भव्यता प्रदान की गई है। आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में शिवभक्त अयोध्या पहुंचकर ऐतिहासिक शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, पूजन–अर्चन कर अपनी आस्था अर्पित करेंगे। शिवरात्रि से पहले मंगलवार को रामनगरी में भक्तो का रेला उमड़ पड़ा है। बुधवार को 15 लाख श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। इससे पहले मंगलवार को करीब आठ लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हैं। दर्शन–पूजन कर रहे हैं। राम मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की कतार लगी हुई है। सुबह पांच बजे से ही मंदिर में दर्शन–पूजन शुरू हो गया है। मंगलवार होने के चलते हनुमानगढ़ी में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा है। डेढ़ किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

सीएचसी के डॉक्टर इमरजेंसी केयर में बनाए जाएंगे दक्ष

लखनऊ, (संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर तैनात डॉक्टरों को इमरजेंसी केयर में दक्ष बनाया जाएगा। इन्हें बलरामपुर अस्पताल में प्रशिक्षित किया जाएगा। मेदांता अस्पताल की इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञ और वरिष्ठ डॉक्टर प्रशिक्षित करेंगे। इसमें लखनऊ समेत दूसरे जनपदों के डॉक्टर शामिल होंगे। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि एक मार्च को प्रशिक्षण कार्यक्रम बलरामपुर अस्पताल में शुरू किया जाएगा। इसमें लखनऊ के शहरी–ग्रामीण क्षेत्र की सभी सीएचसी के दो–दो डॉक्टरों को इमरजेंसी केयर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे सीएचसी पर आने वाले गंभीर मरीजों को आसानी से इलाज मिल सके। इससे बड़े अस्पतालों, चिकित्सा संस्थानों में मरीजों का लोड कम होगा। सीएमओ ने बताया कि लखनऊ के सीएचसी के अलावा प्रदेश भर के जिला अस्पतालों के डॉक्टरों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नमकीन फैक्टरी में लगी आग

लखनऊ, (संवाददाता)। औद्योगिक क्षेत्र नादरगंज स्थित महेश नमकीन फैक्टरी में सोमवार तड़के आग लग गई। इस दौरान फैक्टरी में 40 मजदूर काम कर रहे थे। दमकल कर्मियों ने छह गाड़ियों की मदद से 4रू30 घंटे में आग पर काबू पा लिया। फैक्टरी के मालिक कृष्णानगर निवासी महेश चावला हैं। फैक्टरी में दालमोठ बनाई जाती है। तड़के 4.30 बजे मजदूरों को फैक्टरी के पिछले हिस्से में बने स्क्रैप गोदाम से धुआं व लपटें उठती दिखीं। मजदूर बाल्टियों से पानी भरकर आग पर डालने लगे। पर लपटें विकराल हो गईं व धुआं भर गया। किसी तरह वे चीखते हुए बाहर निकले और दमकल को सूचना दी। इस बीच लकड़ी, पन्नी व ज्वलनशील पदार्थ रखे होने के कारण लपटों ने पूरी फैक्टरी को चपेट में ले लिया। एफएसओ सुमित प्रताप सिंह दो गाड़ियों व टीम के साथ पहुंचे थे। लपटों को विकराल होता देखकर फायर स्टेशन हजरतगंज और आलमबाग से दो– दो गाड़ियां और मंगवानी पड़ीं। एफएसओ के मुताबिक आग लगने का कारण जांच के बाद पता चल सकेगा। मड़ियांव के इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर स्थित जेएसवी हुंडई सर्विस शोरूम की वर्कशॉप के बेसमेंट में रविवार रात 12:15 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। बीकेटी व इंदिरानगर फायर स्टेशन से एक–एक गाड़ियों के साथ एफएसओ बीकेटी प्रशांत कुमार पहुंचे। आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया।

पेट्रोल डालकर फूंक दी 112 की बाइकय गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में मंगलवार को दबंग ने जमकर उत्पात मचाया। डायल 112 के वाहन को फूंक दिया गया। पुलिस से हाथापाई की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला मिल एरिया थाना इलाके के उमरा गांव का है। यहां का रहने वाला रामकिशोर गांव में आए दिन लोगों के साठ मारपीट और दबंगई करता है। सुबह उसने यहीं के रहने वाले मोहन को किसी बात पर लाठी से पीट दिया। इससे उसका हाथ टूट गया। ग्रामीणों ने विरोध किया तो रामकिशोर घर से फरसा ले आया। गांववालों को दौड़ा लिया। रामकिशोर की दबंगई से दहशत में आए गांववालों ने डायल 112 को मामले की सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची डायल 112 की पुलिस पूछताछ कर रही थी। तभी रामकिशोर ने पुलिस के वाहन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। सीओ सदर अमित सिंह ने बताया कि दबंग को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरसा बरामद कर लिया गया है। पुलिस की गाड़ी जल गई है। हालांकि पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं।

भीमेश्वर से भंवरेश्वर बन गए बाबा भोलेनाथ, तीन जिलों की सीमा पर सई नदी किनारे स्थित है मंदिर

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में लखनऊ, उन्नाव और रायबरेली की सीमा पर सई नदी किनारे स्थित भंवरेश्वर मंदिर शिव भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां प्रत्येक सोमवार तथा सावन माह और शिवरात्रि पर यहां श्रद्धालुओं का तांता लगता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार द्वापरयुग में पांडव जब कौरवों के साथ चौसर में हार गए। उन्हें 12 वर्ष का वनवास व एक वर्ष का अज्ञातवास भुगतना पड़ा था। भ्रमण के दौरान पांडव सई नदी के किनारे इस क्षेत्र में पहुंचे थे। इस दौरान द्रौपदी शिव की पूजा किए बिना जल ग्रहण नहीं करती थीं। इस पर भीम ने सई नदी से मिलने वाले गंडे को जमीन में स्थापित कर शिवलिंग का रूप दिया था। इसी कारण मंदिर का नाम भीमेश्वर पड़ गया। समय बीता और शिवलिंग जमीन के भीतर समाहित हो गया। 15वीं शताब्दी में एक दिन एक चरवाहे की गाय इसी स्थान पर दूध देती थी। इस पर जगह की खोदाई की गई और शिवलिंग को जमीन से निकाला गया। इसी बीच कुर्सी सुदौली की तत्कालीन महारानी को स्वप्न में मंदिर निर्माण का आभास होता है और भीमेश्वर मंदिर की स्थापना होती है। इसके बाद इसकी जानकारी जब मुगल सम्राट औरंगजेब को होती है तो वह मंदिर को तोड़ने का आदेश देता है। इस पर मुगल सैनिक शिवलिंग को जड़ से खोदने में जुटते हैं लेकिन ओर छोर नहीं मिलता है तो शिवलिंग में जंजीरे बंधवा कर हाथियों से खिंचवाने का आदेश दिया जाता है, लेकिन शिवलिंग को सैनिक हिला नहीं पाते हैं। इसी दौरान करोड़ों की संख्या में भंवरे मुगल सेना पर हमला कर देते हैं और सेना को जान बचाकर भागना पड़ता है। इस घटना के बाद से मंदिर का नाम भंवरेश्वर महादेव पड़ता है। पुजारी सुनील बाबा पुजारी मुगल सेना के जाने के बाद मंदिर की फिर से मरम्मत होती है। सैकड़ों साल पुराना यह मंदिर आस्था का केंद्र बना हुआ है। शिवलिंग का ऊपरी हिस्सा कटा हुआ है। इसके पीछे की कहानी यह है कि जब शिवलिंग को निकालने के लिए जमीन की खोदाई हो रही थी तो फावड़ा लगने से ऊपर का हिस्सा कटकर अलग हो जाता है। उस हिस्से से खून बहने लगा था। जब माफी मांगी जाती है तो खून रिसना बंद हो जाता है। शिवलिंग के उत्तर मैं नंदेश्वर तथा बजरंगबली की मूर्ति स्थापित हैं।

अधिवक्ता संशोधन बिल को लेकर सड़क पर उतरे वकील, रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचकर की नारेबाजी

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए अधिवक्ता संशोधन बिल को लेकर मंगलवार को अधिवक्ता सड़क पर उतर आए। अमेठी तहसील से नारेबाजी करते हुए अधिवक्ता रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचे जहां उन्होंने जमकर नारेबाजी की। अधिवक्ताओं ने रजिस्ट्री ऑफिस में तैनात दस्तावेज लेखकों से भी इस लड़ाई में शामिल होने की अपील की और आज एक भी बैनामा न करने का अनुरोध किया जिस पर दस्तावेज लेखकों ने उनके साथ इस लड़ाई में शामिल होने का भरोसा दिया। केंद्र सरकार द्वारा अधिवक्ता बिल को लागू किया गया है जब से अधिवक्ता बिल लागू हुआ तब से अधिवक्ता लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। अमेठी तहसील से निकले अधिवक्ता हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचे जहां उन्होंने हंगामा किया। अधिवक्ताओं ने रजिस्ट्री ऑफिस में तैनात दस्तावेज लेखकों से भी इस लड़ाई में शामिल होने की अपील की। जिस पर दस्तावेज लेखकों द्वारा उन्हें इस लड़ाई में शामिल होने का भरोसा दिया गया। अधिवक्ताओं ने मौके पर मौजूद सब रजिस्ट्रार को आज मंगलवार के दिन एक भी बैनामा न करने का पत्र भी सौंपा। दस्तावेज लेखकों ने कहा कि अधिवक्ताओं की इस लड़ाई में वह उनके साथ है और आज एक भी बैनामा नहीं करेंगे। अधिवक्ता राजेश मिश्र ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार द्वारा इस बिल को वापस नहीं लिया जाता तब तक वो इसका विरोध करते रहेंगे।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई कार तीन की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रयागराज महाकुंभ से लौट रही एसयूवी सोमवार रात पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कूरेभार थाना क्षेत्र में हादसे का शिकार हो गई। ट्रक से टकराकर एसयूवी क्षतिग्रस्त हो गई। उस पर सवार सोनवर्षा हरिसिटी जिला मोतिहारी बिहार निवासी सत्येन्द्रकांत पांडेय (57) ,शशिबाला पांडेय (55) ,रीता देवी (50) की मौत हो गई। ये सभी लोग कुंभ से स्नान करके अयोध्या राम मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों और घायलों के अनुसार एसयूवी ने एकदम से गाड़ी में ब्रेक लगाए। ब्रेक लगाते ही पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने गाड़ी में जोरदार टक्कर मारी। इस घटना में रितेश, रविन्द्र नाथ तिवारी, किरन देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। एसयूवी मोतिहारी के ही अशोक चौबे चला रहे थे। वह बाल–बाल बच गए। घायलों को यूपीडा कर्मियों ने एंबुलेंस से कूरेभार सीएचसी पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक ने सत्येंद्रकांत, शशिबाला व रीता देवी को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज सीएचसी कूरेभार में चल रहा है। बताया जा रहा है कि वाहन में सात श्रद्धालु सफर कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम की पांच करोड़ की जमीन से हटाया कब्जा

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम की टीम ने सोमवार को सीतापुर रोड के दसौली गांव में करीब पांच करोड़ रुपये कीमत की डेढ़ बीघा जमीन को कब्जे से मुक्त कराया है। जमीन पर कब्जा कर प्रॉपर्टी डीलरों ने प्लाटिंग शुरू कर दी थी। कब्जा हटाने के दौरान टीम को विरोध का भी सामना करना पड़ा। नगर निगम के नायब तहसीलदार नीरज कटिया ने बताया कि कब्जा हटाने से पहले 15 दिन का नोटिस दिया गया था। समय पूरा होने के बाद कार्रवाई की गई है। सरकारी जमीन को कुछ लोगों ने प्लॉटिंग कर बिक्री शुरू कर दी थी। मौके पर जो दीवार बनी खी उसे तोड़ दिया गया। वहीं, एलडीए की टीम ने कुर्सी रोड और जानकीपुरम में एक–एक अवैध निर्माण सील किया। जोनल अधिकारी रविनंदन सिंह ने बताया कि इनका निर्माण बिना मानचित्र पास कराए ही किया जा रहा था। नोटिस के बाद भी निर्माण न रोकने से सील किया गया है।

पुलिसकर्मी बनकर रिटायर्ड लाइब्रेरियन की चेन–अंगूठी ले उड़े

लखनऊ, (संवाददाता)। खुद को पुलिसकर्मी बताकर बाइक सवार दो टप्पेबाज रविवार को इंदिरानगर सेक्टर–सी निवासी लखनऊ यूनिवर्सिटी से सेवानिवृत्त लाइब्रेरियन विशंभर नाथ अवस्थी के जेवर ले उड़े। पीड़ित ने गाजीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। विशंभर नाथ के मुताबिक दोपहर तीन बजे वह कल्याण अपार्टमेंट के पास कार खड़ी कर फुटपाथ पर टहल रहे थे। तभी बाइक सवार दो लोग पहुंचे। दोनों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और पूछा कि आप क्या करते हैं। इसके बाद दोनों ने कहा कि अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं। आप अकेले न टहलें। टप्पेबाजों ने जेब से दो लिफाफे निकाले और उनके कहने के अनुसार विशंभर ने चेन व अंगूठी आरोपियों को दे दीं। इसके बाद आरोपी चले गए। कुछ देर बाद जब विशंभर को टप्पेबाजी का अहसास हुआ तो उन्होंने आरोपियों का कार से पीछा किया। पर दोनों भाग चुके थे। इंस्पेक्टर विकास राय के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही हैं।

दफ्तर में दलालों के प्रवेश पर लगी रोक

लखनऊ, (संवाददाता)। वृंदावन स्थित आवास विकास के कार्यालय में पीड़ितों से ज्यादा दलालों की आवाजाही रहती है। लिपिकों की सीट के आसपास दलाल बैठे रहते हैं और पीड़ित भटकते रहते हैं। शिकायतें अफसरों के पास पहुंची तो कार्यालय में दलालों के प्रवेश पर रोक की नोटिस चस्पा कर दिया गया। संपत्ति अधिकारी आनंद कुमार का कहना है कि अफसरों के निर्देश पर नोटिस चस्पा किया गया है। प्रयास है कि जिस व्यक्ति का काम है वही दफ्तर में आए।

फंदे से लटका मिला बीमा एजेंट का शव, घर में मची चीख पुकार पुलिस कर रही जांच

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में सोमवार की रात एलआईसी बीमा एजेंट का शव कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला। घरवालों ने देखा तो चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। प्रथम दृष्टया आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। मामला कोतवाली क्षेत्र के कस्बा मुसाफिरखाना नगर पंचायत के वार्ड नंबर–4 का है। यहां के रहने वाले अनुराग श्रीवास्तव (55) का शव देर रात कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस परिजनों और करीबी लोगों से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी विवेक सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण पता चल सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच की जा रही है।

कारोबार कीजिए, सरकार ने युवाओं के लिए तैयार किए 500 से ज्यादा बिजनेस मॉडल

लखनऊ, (संवाददाता)। नौकरी की तलाश के बजाय स्वरोजगार के लिए युवाओं को प्रेरित करने की दिशा में एमएसएमई विभाग ने ठोस तैयारी की है। पांच लाख का ब्याज मुक्त ऋण युवा किस काम के लिए लें, इसके लिए 500 से ज्यादा बिजनेस मॉडल बनाए हैं। डिफॉल्टर न हों, इसके लिए हर जिला मुख्यालय में एक रिटायर बैंक अधिकारी और मंडल में चार्टर्ड अकाउंटेंट की नियुक्ति की गई है जो लोग युवाओं को मुफ्त परामर्श देंगे। कॉल सेंटर में हर सवाल का जवाब देने के लिए एक्सपर्ट भी तैयार किए गए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी सीएम युवा उद्यमी विकास योजना में 2.25 लाख से ज्यादा उद्यमी पंजीकरण करा चुके हैं। जानकारी के लिए एमएसएमई विभाग की वेबसाइट को पीक टाइम में एक सेकंड में 8000 से ज्यादा लोग देख रहे हैं। योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा युवाओं को मिले, इसके लिए पूरा मैकेनिज्म बनाया गया है। छोटे उद्यमों के तैयार बिजनेस मॉडल में प्रत्येक की प्रोजेक्ट रिपोर्ट, उत्पादन या सेवा, मार्केटिंग व बिक्री तक का ग्राफ दिया गया है, जो पूरी तरह मुफ्त है। लिए आवेदन कर रहे हैं। सुरक्षित कारोबार के लिए फ्रेंचाइज मॉडल पर विभाग काम कर रहा है। सफल ब्रांड्स की चेन का हिस्सा बनाने के लिए लोन का प्रावधान है जिसमें रिस्क फैक्टर बहुत कम है। फ्रेंचाइज मॉडल पर खास फोकस के तहत मार्च में एक बड़ा सम्मेलन भी विभाग कराएगा। योजना के तहत दिया जाने वाला ब्याजमुक्त ऋण सुरक्षित रहे, इसके लिए सरकार ने गारंटी ली है ताकि अधिकतम युवाओं को लोन दिया जा सके। जानबूझकर कर्ज न चुकाने की मंशा रखने वालों पर भी सख्ती के प्रावधान है। आधार लिंक होने से ऐसे लोग भाग नहीं सकेंगे और सिबिल स्कोर खराब होने पर भविष्य में कोई बैंक कर्ज नहीं देगा। कारोबार शुरू करने से पहले मुफ्त परामर्श के लिए रिटायर बैंक अधिकारियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की सेवाएं दी जा रही हैं। भविष्य में रिटायर वरिष्ठ अधिकारियों की भी सेवा लेने की तैयारी है। प्रमुख सचिव एमएसएमई व औद्योगिक विकास आलोक कुमार का कहना है कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इस योजना की सफलता के लिए व्यावहारिक मॉडल तैयार किए गए हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।